CLASS: 3

SUBJECT : HINDI)

CHAPTER NAME&NO) पाठ 13 शरारती मेहुल

SUB –TOPIC- पाठ विश्लेषण, शब्दार्थ, वाक्य निर्माण

13 शरारती मेहुल

चिंतन-मनन
हमारी दिनचर्या को आसान बनाने के लिए आजकल हम बहुत सारे यंत्रों का उपयोग करते हैं। लेकिन उनके दुरुपयोग से हमें बचना चाहिए।

सूत्रधार – मेहुल बहुत शरारती लड़का है। उसे हर समय शरारत सूझती है। आप **स्वयं** ही देख लीजिए।

(एक आदमी जा रहा है और मेहुल एक 100 रुपये का नोट धागे से बाँधकर खिड़की से लटकाता है।)

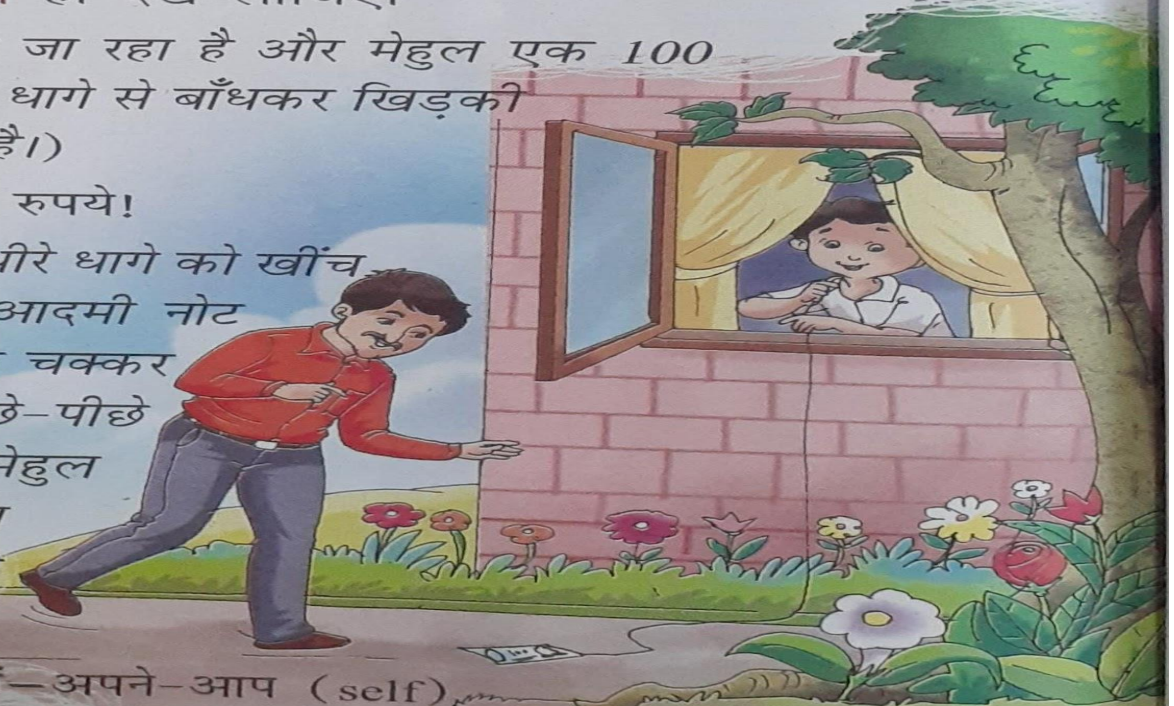

आदमी – अरे वाह! सौ रुपये!

(मेहुल धीरे-धीरे धागे को खींच लेता है और आदमी नोट को पकड़ने के चक्कर में उसके पीछे-पीछे जाता है, तो मेहुल ज़ोर से हँसता है और आदमी झेंप जाता है।)

शब्दार्थ–स्वयं–अपने-आप (self)

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(तभी घर में टेलीफ़ोन की घंटी बजती है।)

मेहुल — अरे वाह! नए फ़ोन पर पहली कॉल। हैलो! आप कौन बोल रहे हैं? किससे बात करनी है?

मि० राकेश — बेटे! क्या पापा घर पर हैं?

मेहुल — नहीं अंकल, वे तो ऑफ़िस गए हैं। कोई मैसेज़ हो तो दे दीजिए।

मि० राकेश — नहीं बेटा, मैं ऑफ़िस में ही फ़ोन कर लेता हूँ।

दादी माँ — मेहुल, किसका फ़ोन था?

मेहुल — पापा के लिए था।

(मेहुल अपने-आप से बातें करता हुआ।)

अरे! मुझे पहले क्यों नहीं सूझा? फ़ोन करके लोगों को परेशान किया जाए और अपना टाइम पास किया जाए। नए फ़ोन पर नई-नई बात की जाए।

(मेहुल अपनी कक्षा की सोनाली के घर का नंबर मिलाता है। वह बहुत डरपोक है।)

सोनाली — हैलो! मैं सोनाली।

मेहुल — मैं दोनाली। (सोनाली हँसती है।)

खबरदार जो हँसी (डरावनी आवाज़ में)! सारे दाँत निकाल दूँगा।

सोनाली — मम्मी! मम्मी! (डरकर रिसीवर रखती है।)

सूत्रधार — अरे! यह क्या? अब मेहुल ने तो पुलिस स्टेशन का नंबर मिला दिया। ओह! अब यह क्या करने वाला है?

मेहुल — (घबराए हुए स्वर में) अंकल! अंकल! जल्दी आ जाइए। हमारे घर में लुटेरे घुस आए हैं।

इंस्पेक्टर — कहाँ से बोल रहे हो बेटे?

मेहुल — मैं सेठ जीवन राम का पोता बोल रहा हूँ, आप जल्दी आइए।

इंस्पेक्टर — तुम घबराओ नहीं बेटे, हम अभी पहुँचते हैं। (पुलिस जीवन राम के घर पहुँचती है।)

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

इंस्पेक्टर — हमें फ़ोन पर सूचना मिली है कि आपके घर में लुटेरे घुस आए हैं।

जीवन राम — नहीं तो, किसने सूचना दी आपको?

इंस्पेक्टर — आपके पोते ने।

जीवन राम — मगर वह तो अपने कमरे में सो रहा है। किसी और ने फ़ोन किया होगा।

इंस्पेक्टर — हमें माफ़ कीजिए। पता नहीं किसने हमारे साथ यह भद्दा मज़ाक किया है?

सूत्रधार — उधर मेहुल के घर के दरवाज़े की घंटी बजती है। दादी देखती है कि वह पापा के दफ़्तर का चपरासी था।

चपरासी — साहब सीढ़ियों से गिर गए हैं और उन्हें चोट आई है। वे अस्पताल में हैं। वे बहुत देर से घर पर फ़ोन करने की कोशिश कर रहे थे, परंतु आपका फ़ोन इंगेज ही मिल रहा था।

(तभी मेहुल वहाँ आ जाता है।)

मेहुल — ओह! यह क्या हो गया?

(दादा, दादी और मेहुल चपरासी के साथ जैसे ही चलने लगते हैं, वैसे ही पुलिसवाले आ जाते हैं।)

पुलिस — मिस्टर परमार का घर यही है?

दादी — जी हाँ।

शब्दार्थ—भद्दा—खराब (awful)

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पुलिस — आपको हमारे साथ पुलिस स्टेशन चलना होगा। किसी बच्चे ने आपके फ़ोन से हमें गलत सूचना दी थी। जिसकी वजह से हमें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा है।

(मेहुल की तरफ़ इशारा करता है) यह आपका पोता है? (मेहुल से) "तुम्हारा नाम क्या है?"

मेहुल — मेहुल परमार।

दादा-दादी — हमारा बेटा अस्पताल में है। हम तो वैसे ही बहुत परेशान हैं।

इंस्पेक्टर — चलिए, हम भी आपके साथ अस्पताल चलते हैं।

(मेहुल के पापा के पैर में प्लास्टर बँधा था। मेहुल के बारे में सारी बात जानकर उन्हें बहुत दुख हुआ।)

पापा — इंस्पेटर साहब, मैं अपने बेटे की गलती पर बहुत **शर्मिंदा** हूँ।

शब्दार्थ—**शर्मिंदा**—लजाना (ashamed)

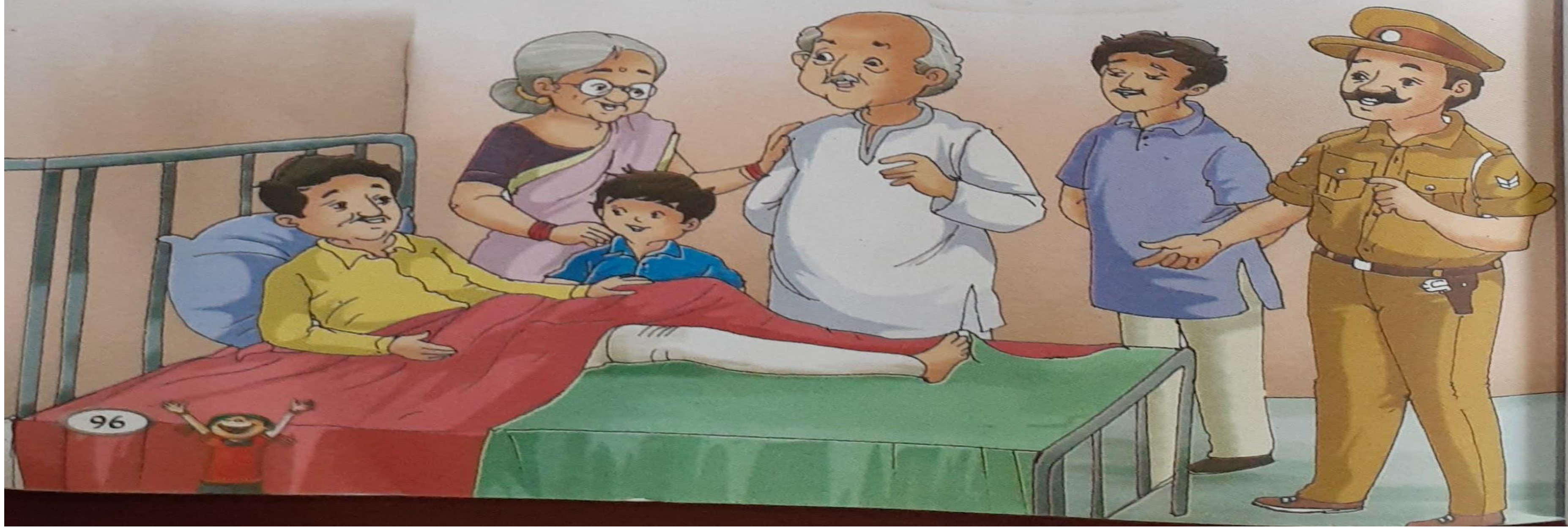

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

मेहुल — (मेहुल रोते हुए) पापा मुझे माफ़ कर दीजिए। मुझसे गलती हो गई।

पापा — बेटे, फ़ोन ज़रूरी बातों के लिए होता है। शरारत करने के लिए या किसी को तंग करने के लिए नहीं। देखो, मेरे आफ़िस वालों को ज़रूरी संदेश देना था, लेकिन फ़ोन बिज़ी होने के कारण नहीं दे पाए।

मेहुल — (दादी से लिपटते हुए) अब मैं बिलकुल शरारत नहीं करूँगा।

सूत्रधार — बच्चो, आपने देखा, मेहुल की शरारतों से कितने लोगों को परेशानी हुई। जिस सुविधा के लिए टेलीफ़ोन लगवाया गया था, समय पड़ने पर वह काम न आया। मैं उम्मीद करता हूँ कि आप भी टेलीफ़ोन पर व्यर्थ बातें नहीं करेंगे।

जीवन-सूत्र

- ज़िंदगी में छोटी-छोटी बातों से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है और उनसे बहुत प्रसन्नता भी मिलती है।

—रसेल कानवेल

शब्दार्थ—सुविधा—आराम (comfort), **व्यर्थ**—बेकार (useless)

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

नए शब्द

EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

टेलीफोन
ऑफिस
मैनेजर
दफ्तर
अस्पताल
प्लास्टर

इंस्पेक्टर
संदेश
स्टेशन
शर्मिंदा
शरारती
सुविधा

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संदेश भेजने के साधन

RIKSTELEFON

000-000-000

MAIL

TELEGRAM

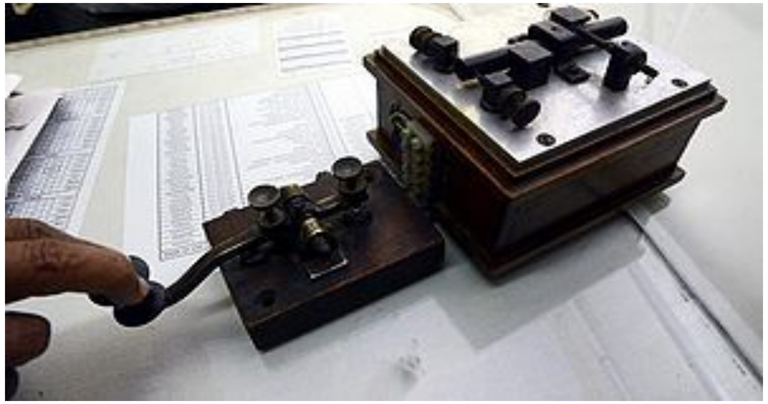

शब्दों के अर्थ लिखें

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

स्वंय — अपने आप

भद्दा — खराब

सुविधा — आराम

दिनचर्या — नित्य क्या जाने वाला कार्य

दुरुपयोग — गलत इस्तेमाल

झेंप जाना — संकोच या लज्जा

मैसेज	—	सूचना
ऑफिस	—	कार्यालय
निर्णय	—	फ़ैसला या विचार
यंत्र	—	औजार ,उपकरण
नंबर	—	संख्या
व्यर्थ	—	बेकार
प्रसन्नता	—	खुशी

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

टाइम	—	समय
इंगेज	—	व्यस्त
इशारा	—	संकेत
शर्मिंदा	—	लज्जा
संदेश	—	सूचना
इंस्पेक्टर	—	पुलिस
टेलीफोन	—	दूरभाष

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृह कार्य

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाएँ

सहायता ——

डरपोक ——

कोशिश ——

शरारत ——

इशारा ——

अध्ययन के परिणाम

- पठन कौशल का विकास अच्छे से हो पाना
- शुद्ध उच्चारण की जानकारी पाना
- नए पाठ से परिचित होना

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP